भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1059

दिनांक 25 जुलाई, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

भुवनेश्वर के एम्स में केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला

†1059. श्री भर्तृहरि महताबः

श्री नव चरण माझीः

श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः

श्री बिभु प्रसाद तराईः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भुवनेश्वर के एम्स में केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला (सीआरएल) की स्थापना के पीछे क्या उद्देश्य हैं;

(ख) क्या समान अनुसंधान विकास को बढ़ावा देने के लिए अन्य क्षेत्रों में भी ऐसी ही प्रयोगशालाएँ स्थापित करने की कोई योजना है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सीआरएल को राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान नेटवर्क और संस्थाओं के साथ किस प्रकार जोड़ा जा रहा है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भुवनेश्वर में केन्द्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला (सीआरएल) की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य उक्त संस्थान के सभी नैदानिक विभागों के छात्रों और संकाय द्वारा परिष्कृत जैव-चिकित्सा और नैदानिक जांच करने के लिए उन्नत अनुसंधान अवसंरचना और उच्च स्तरीय उपकरणों से सुसज्जित केन्द्रीकृत प्लेटफॉर्म प्रदान करना है। यह संस्थान इस अवसंरचना का उपयोग भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) आदि सहित विभिन्न एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधानों के संचालन के लिए करता है।

देश में स्वास्थ्य अनुसंधान की अवसंरचना विकसित और सुदृढ़ करने तथा गुणवत्तापरक चिकित्सा अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) ने देश भर के विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों/अनुसंधान संस्थानों में बहु-विषयक अनुसंधान इकाइयां (एमआरयू) और वायरल अनुसंधान एवं नैदानिक प्रयोगशालाएं (वीआरडीएल) स्थापित की हैं।

*****